अकबरी लोटा

अति लघु उत्तर लिखिए -

क) पत्नी द्वारा ढाई सौ रुपए माँगने पर झाऊलाल का जी बैठ गया |

ख) झाऊलाल को अंग्रेज़ी भाषा में गालियों के प्रकांड कोष का ज्ञान हुआ |

लघु उत्तर लिखिए -

क) बिलवासी मिश्र ने जब अंग्रेज़ को यह बताया कि यह एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक अकबरी लोटा है , जिसकी तलाश में संसार भर के म्युज़ियम परेशान हैं | यह सुनकर अंग्रेज़ लोटे से प्रभावित हुआ |

ख) लोटे के असली ग्राहक और कीमत का फ़ैसला बोली लगा कर किया गया | नीलामी में पं० बिलवासी ने सबसे पहले पचास रुपए की बोली लगाई फिर अंग्रेज़ ने सौ रुपए की | इसी प्रकार बोली बढ़ती गई और अंग्रेज़ ने पाँच सौ रुपए में लोटा खरीद लिया |

दीर्घ उत्तर लिखिए -

क) झाऊलाल अपनी छत की मुंडेर पर खड़े होकर लोटे से पानी पी रहे थे कि अचानक उनके हाथ से लोटा छूट गया और दूकान के सायबान से टकराकर एक अंग्रेज़ के बूट पर जा गिरा | उस लोटे में भरे पानी से अंग्रेज़ ऊपर से नीचे तक भीग गया |

ख) मेजर डगलस अंग्रेज़ साहब के पड़ोसी थे | गत वर्ष वे हिंदुस्तान आए थे और यहाँ से जहाँगीरी अंडा ले गए थे | अंग्रेज़ ने इस किस्से के बारे में बताते हुए कहा कि एक बार जहाँगीरी के पूछने पर कि मेरा एक कबूतर तुमने कैसे उड़ जाने दिया , नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को उड़ाकर बताया था कि ऐसे | उसके इस भोलेपन पर जहाँगीरी

दिलोजान से न्योछावर हो गया | कबूतर का यह एहसान वह नहीं भूला | उसके एक अंडे को बड़े जतन से रख छोड़ा | बाद में वही अंडा "जहाँगीरी अंडा " के नाम से प्रसिद्ध हुआ |